RJ-02

December - Examination 2018

B.A. Pt. I Examination

आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य

Paper - RJ-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : औ पेपर खण्ड 'अ' 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' मे साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में मोटा सवाल दियौड़ौ है। हरेक खण्ड रै आगै मंड्योड़ा निर्देशां मुजब आपरा पड़ूत्तर लिखौ।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्डरा सगळां सवालां रा जवाब देवणा जरूरी है आप रै जवाब री सीमा अधिकतम 30 सबद है। हरेक सवाल 2 अंक रौ है।

1) (i) ''राधा'' अर ''बोल भारमली'' जैड़ी चावी रचनावां रा रचनाकार कुण है।

(ii) ''मींझर'' अर ''लीलटांस'' किणरी रचनावां है?

(iii) ''मानखो'' अर ''जागती जोतां'' किण कविरी रचनावां है?

(iv) चावी पोथी 'चेत मानखा' किण कवि री लिख्योड़ी है?

(v) ''रामरंजाट'' अर 'बलवद विलास'' किण प्रसिद्ध कवि री रचनावां है?

(vi) संकरदान सामौर री किणी दो रचनावां रा नांव लिखौ।

(vii) करणीदान बारहठ री दो काव्य रचनावां रा नांव लिखौ।

(viii) कवि मोहन आलोक री किणी दो काव्य पोथियां रा नांव लिखौ।

(ix) ''रामतिया मत तोड़'' अर ''परभाती'' जैड़ी चावी पोथियां रा रचनाकार कुण है?

(x) कवि गोरधन सिंह शेखावत री किणी दो काव्य पोथियां रौ नांव लिखौ।

खण्ड – ब **4 × 10 = 40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी चार सवालां रा जवाब 200 सबदां री सींव में देवणा है। हरेक सवाल 10 अंक रौ है।

2) महाकवि सूर्यमल्ल मीसण रौ व्यक्तित्व उजागर करौ।

3) ''चतुर चिंतामणी'' रचना बाबत सांतरी टीप लिखौ।

4) कवि गिरधारी सिंह पड़िहार रचित पोथी ''सूरे रौ संदेशो'' री विसयवस्तु स्पष्ट करौ।

5) कवि कल्याण सिह राजावत री काव्य रचनावां बाबत संक्षिप्त टीप लिखौ।

6) भगवतीलाल व्यास रचित काव्यपोथी ''अगनी मंतर'' बाबत जाणकारी उजागर करौ।

7) महाकवि सूर्यमल्ल मीसण रै रचना–संसार री जाणकारी कराऔ।

8) कवि मोहन आलोक री काव्य पोथियां माथै जाणकारी उजागर करौ।

9) आधुनिक राजस्थानी प्रकृति काव्य बाबत अेक सांतरी टीप लिखौ।

खण्ड – स **2 × 20 = 40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी दो सवालां रा पडूत्तर 500 सबदां री सींव में लिखौ। हरेक सवाल 20 अंक रौ है।

10) कवि संकरदान सामौर रौ कृतित्व उजागर करता थकां उणारी रचनावां री विस्तार सूं समीक्षा करौ।

11) चावा कवि प्रेमजी प्रेम रै काव्य सिरजण री जाणकारी उजागर करता थकां उणारौ साहित्यिक योगदान स्पष्ट करौ।

12) चावा कवि कल्याणसिंह राजावत री काव्य रचनावां बाबत आपरी जाणकारी विस्तार साथै उजागर करौ।

13) चावा कवि भगवतीलाल व्यास रै काव्य–सिरजण री विस्तार सूं समीक्षा करौ।